



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN2682	ImageGroup:	I3CN2684
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	སྟག་ལུང་པའི་མན་ངག་འཕོ་བ་རྩུ་སྟོན་སོགས། stag lung pa'i man ngag 'pho ba huM sngon sogs/
Author:	n/a
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 4/2016

ॐ



ॐ

॥ मङ्गलार्थं नमो भगवते वासुदेवाय ॥



五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दशरथ उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वमेकं गमय स्वर्गाय ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a signature or name, written on aged paper.

མདུག་ལྷན། མེས་ལ་གཞིན་དུ་མ་ལེས་པར་འདི་སྐད་དོ།

༥ ༥༥ ལམ་ལུང་ཕྱོད་རང་གིས་ ལུང་གཏོས་བཅས་ལ་བྱུང་གི་ཡུང་པོ་འདི་ཀྱི་མེད་མི་གསལ་པའི་རང་ལས་
སྐད་ཅི་གི་རང་ཀྱི་དེ་བཅུ་རྩ་ཆེན་ལ་འཕྱོར་མ་ལུང་དུ་གྲགས་པའི་ཀྱི་ལེ་ཟེ་འཕྱོ་བ་ལྷན་གསུམ་གྱི་འདི་འདྲམ་པའི་ཉལ་སྐད་དུ་
པ་ལྷན་གཏོགས་ལས་རྒྱ་མག་ལས་མཐོང་པ་དུ་སྒྲུ་འཕྱོར་པ། དེའུ་སྒྲུ་ལས་པའི་ཚོགས་སེལ་བུར་གྱིས་བལས་ཐོད་སྒྲུ་ལས་ལྷན་ལོ་དུ་ཆུ་བུ་དང་། ཐོད་ཆོར་
ལྷན་ལྷན་འཆར་འདི་གཅི་དུ་ཡུང་ཆུ་ལྷན་དང་ལྷན་དང་ལྷན་པ་ལྷན་ལས་དེ་ཆེ་གི་གྲག་ལས་ལས་ལས་ལྷན་ལོ་དང་། གཡོ་ལས་པའི་གཏུག་པ་ཅན་གྱི་བྱུ་གི་

ॐ॥ वनदवनेष्टेयमुगलसगरनेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं
 गल्लसं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं
 वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं
 वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं वृक्षोत्तरेष्टेयं

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

མེའི་མཆོད་རྟེན་ལ། དམིགས་རིམ་གྱི་དོ་དམས་ཅེས་པར་ཤོགས་ལ་ཁེད། ཉམས་སྦྱོར་སོ་སོའི་གུ་ལ་པར་བཤེད། འཇམ་མེད་པར་མཆོད་པའི་གྲུབ་པའི་དགོངས་པ་མཆོད་པ་
མེད་ལྟར་ལུང་པར་མཆོད་པ་ཟེར་བ་མེད་ཅེས་པར་བཤེད་པའི་དོ་དམས་ཅེས་པར་ཤོགས་ལ་ཁེད། ཉམས་སྦྱོར་སོ་སོའི་གུ་ལ་པར་བཤེད། འཇམ་མེད་པར་མཆོད་པའི་གྲུབ་པའི་དགོངས་པ་མཆོད་པ་
མེད་ལྟར་ལུང་པར་མཆོད་པ་ཟེར་བ་མེད་ཅེས་པར་བཤེད་པའི་དོ་དམས་ཅེས་པར་ཤོགས་ལ་ཁེད། ཉམས་སྦྱོར་སོ་སོའི་གུ་ལ་པར་བཤེད། འཇམ་མེད་པར་མཆོད་པའི་གྲུབ་པའི་དགོངས་པ་མཆོད་པ་

227

[illegible]

॥ कर्मभूतं तदर्थं नृत्तमनन्तरम् ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

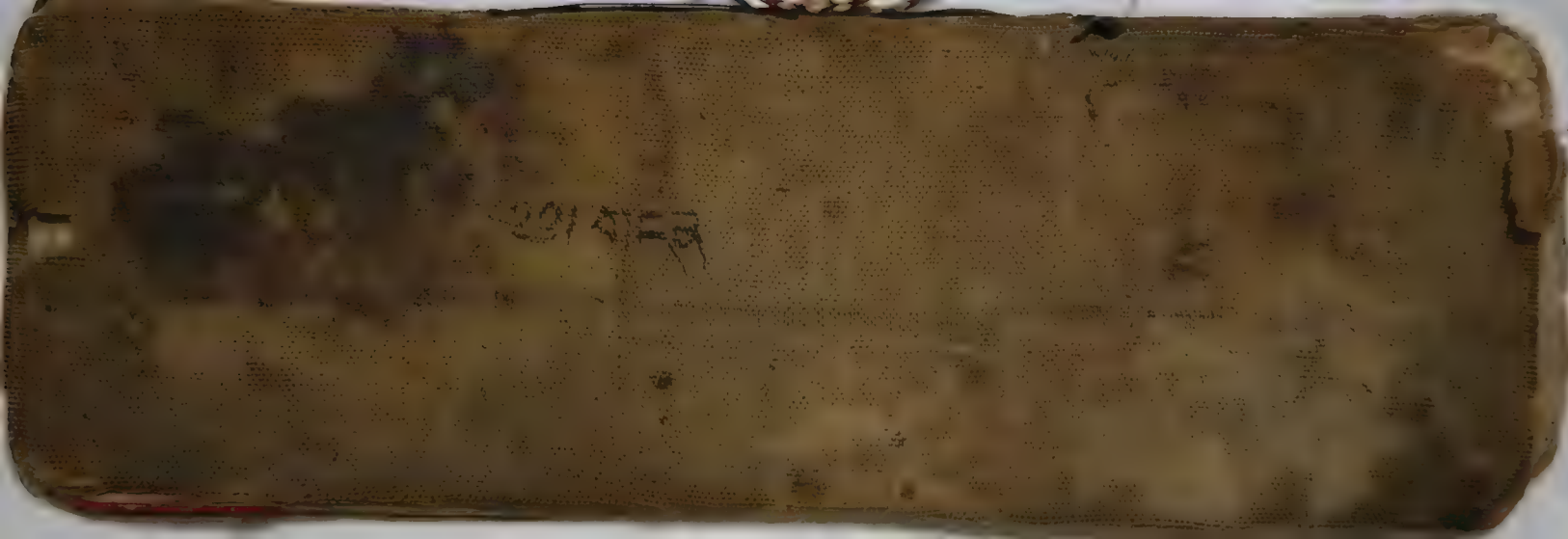
[illegible]

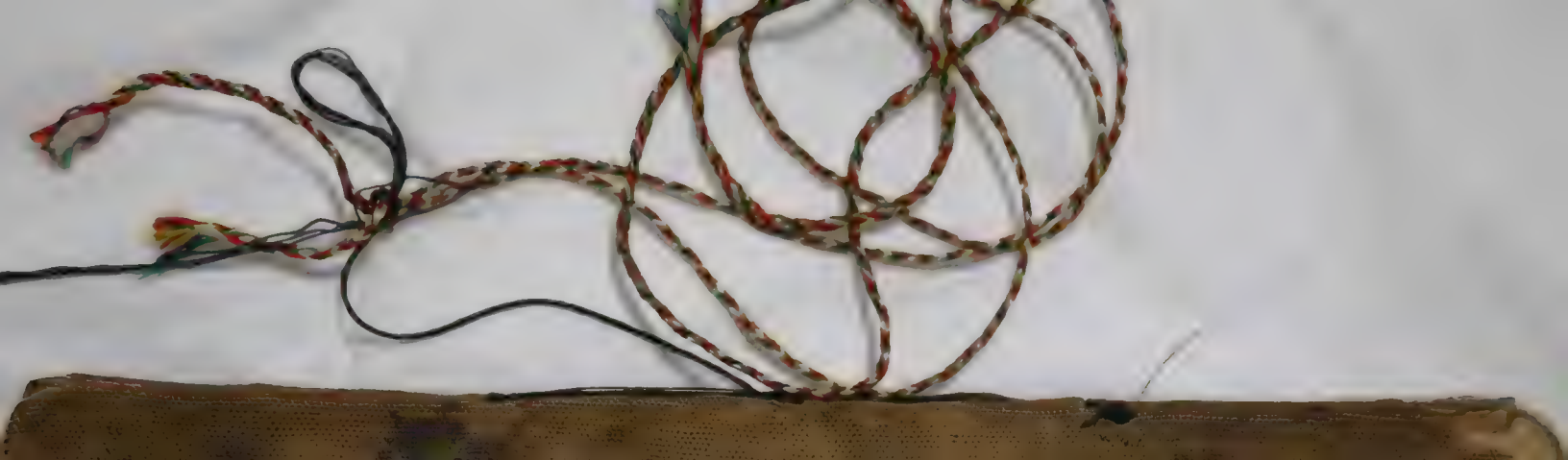
[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, slightly discolored paper. The script is dense and flowing, characteristic of historical cursive. The text is arranged in several lines, with some words appearing to be in a different script or dialect than others, possibly indicating a mix of languages or a specific regional dialect. The overall appearance is that of a well-preserved but aged piece of historical writing.

Handwritten text at the top of the page, possibly a title or header, in a cursive script.

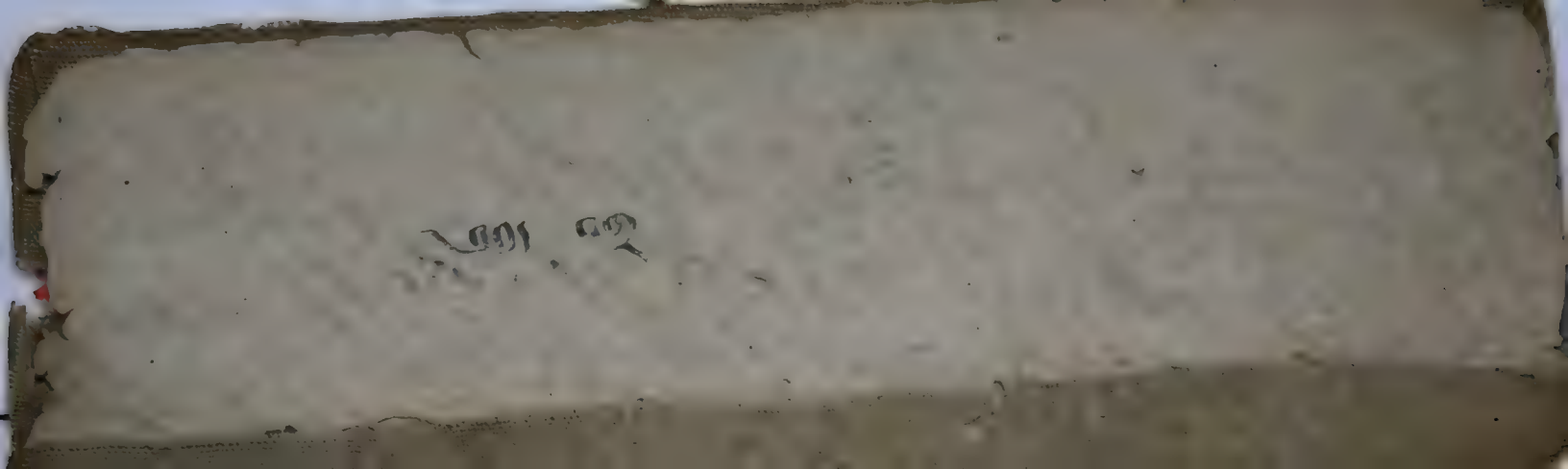
Main body of handwritten text in a cursive script, consisting of several lines of dense writing.







महाराष्ट्र राज्य सरकार, मुंबई. महाराष्ट्र राज्य सरकार, मुंबई. महाराष्ट्र राज्य सरकार, मुंबई.



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 श्रीपितामातृभ्यो नमः ॥
 श्रीशिशुभ्यो नमः ॥
 श्रीदाम्नीभ्यो नमः ॥
 श्रीशत्रूनांभ्यो नमः ॥
 श्रीप्रेताभ्यो नमः ॥
 श्रीविद्यै नमः ॥
 श्रीज्ञाने नमः ॥
 श्रीब्रह्मे नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५०॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीमद्भगवद्गीतासु
उवाच ॥ अर्जुन ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
संग्रामस्थे मया दृष्टोऽसौ महाबलवान् ॥ १ ॥
अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्यैव तन्मया दृष्टम् ॥
सर्वदृष्टोऽसौ मया पाण्डवस्यैव तदा ॥ २ ॥
उवाच ॥ अर्जुन ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
संग्रामस्थे मया दृष्टोऽसौ महाबलवान् ॥ ३ ॥
अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्यैव तन्मया दृष्टम् ॥
सर्वदृष्टोऽसौ मया पाण्डवस्यैव तदा ॥ ४ ॥
उवाच ॥ अर्जुन ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
संग्रामस्थे मया दृष्टोऽसौ महाबलवान् ॥ ५ ॥
अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्यैव तन्मया दृष्टम् ॥
सर्वदृष्टोऽसौ मया पाण्डवस्यैव तदा ॥ ६ ॥
उवाच ॥ अर्जुन ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
संग्रामस्थे मया दृष्टोऽसौ महाबलवान् ॥ ७ ॥
अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्यैव तन्मया दृष्टम् ॥
सर्वदृष्टोऽसौ मया पाण्डवस्यैव तदा ॥ ८ ॥
उवाच ॥ अर्जुन ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
संग्रामस्थे मया दृष्टोऽसौ महाबलवान् ॥ ९ ॥
अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्यैव तन्मया दृष्टम् ॥
सर्वदृष्टोऽसौ मया पाण्डवस्यैव तदा ॥ १० ॥

[illegible]

~ ၁၁။ နွယ်ဒေါက်ဆီဝါစာနွယ်ယုယပါ။ လဆာစီဝေဗြဝါပဂါဗာဏမဂါး
ယုဏဂါးဝါ။ နွယ်ယုယလဲဒါယုယပုဏာဗေဏယုယ။ ဝေဗြယုယယုယ။ ၁၁။
ဒါဒွါဝါ။ နာဒိယုယလဲဒါယုယ။ နွယ်ယုယဝါဒွါယုယဂါးဝါ။ ၁၀။
ဧဝါယုယနွယ်ယုယ။ ဧဝါဒွါယုယလဲဒါယုယ။ ၁၀။ ၁၀။
ယုယ။ ဧဝါယုယလဲဒါယုယ။ ၁၀။ ၁၀။
နွယ်ယုယ။ ဧဝါယုယလဲဒါယုယ။ ၁၀။ ၁၀။

[illegible]

[illegible]

[illegible]

X

12

[illegible]

— ၁၀၁၁ နှစ်၌ ပါသော ဇာတ်ကားများကို ရေးသားခဲ့သည်။
ယခု နှစ်၌ ပါသော ဇာတ်ကားများကို ရေးသားခဲ့သည်။
ဤနှစ်၌ ပါသော ဇာတ်ကားများကို ရေးသားခဲ့သည်။
ဤနှစ်၌ ပါသော ဇာတ်ကားများကို ရေးသားခဲ့သည်။
ဤနှစ်၌ ပါသော ဇာတ်ကားများကို ရေးသားခဲ့သည်။
ဤနှစ်၌ ပါသော ဇာတ်ကားများကို ရေးသားခဲ့သည်။
ဤနှစ်၌ ပါသော ဇာတ်ကားများကို ရေးသားခဲ့သည်။
ဤနှစ်၌ ပါသော ဇာတ်ကားများကို ရေးသားခဲ့သည်။

[illegible]

[illegible]

[illegible]

२०॥ श्रीगुरुदेवार्जुनदेव ॥ अर्जुनस्य कर्णस्य ॥ श्रीकृष्णस्य वचनम् ॥
 अर्जुन उवाच ॥ उवाच श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

સીમુભાવપાપાપુરુષમિત્તા ॥ મેજોકાંપુવાલોનોમોપાજે ॥ ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો
વાપકુમાપુરુષમિત્તા ॥ આનન્દજ્ઞાનલોચનોરૂપ ॥ ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો
મદ્ભાવમ ॥ ભિન્નજ્ઞાનતો ॥ ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો ॥ ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો
ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો ॥ ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો ॥ ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો
ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો ॥ ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો ॥ ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો
ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો ॥ ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો ॥ ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો
ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો ॥ ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો ॥ ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો
ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો ॥ ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો ॥ ભાવપુરુષાદુઃખપિત્તોઘ્નતો

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1890

James G. Thompson

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय





